स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा - तृतीय खण्ड - डॉ० मुन्ना खाह
(षष्ठ पत्र - प्रयोजनमूलक हिन्दी) हिन्दी विभाग
जे० के० कॉलेज

## कम्प्यूटर और हिन्दी

कम्प्यूटर को हिन्दी भाषा में 'संगणक' कहते हैं। संगणक एक इलेक्ट्रानिक मशीन है, जोड़ना, गिनना, भाग देना आदि क्रियाओं द्वारा डाटा से सूचना निकालने और उसकी प्रक्रिया द्वारा कई तरह के कार्य किये जा सकते हैं। इस प्रक्रिया को 'डाटा प्रोसेसिंग' कहा जाता है। इस मशीन की विशेषता है कि यह कई तरह के कार्य बहुत तेज गति से करती है, जितना काम बताया जाए, उतना ही काम सही-सही तरीके से बिना गलती के और अविरत रूप में करती है। आकड़ों के आधार पर देखा जाए तो अपार भण्डार को कम जगह में संग्रहित करके रखने का और जब माँग तब तुरंत प्रस्तुत करने का कार्य भी यह मशीन करती है।

संगणक का आविष्कार मूलत: गणनाओं की समस्या के हल के रूप में हुआ है। ब्रिटिश वैज्ञानिक चार्ल्सबैबेज (सन - 1792-1871) ने सन् 1822 में रॉयल सोसायटी के लिए एक छोटा से गणना करने वाला यंत्र तैयार किया, जिसे उन्होंने 'डिफरेन्स इंजन' का नाम दिया था। सन 1855 और 1860 के मध्य उन्होंने एक ऐसे यंत्रिक संगणक का डिजाईन तैयार किया, जिससे प्राय: गाणितीय कार्य (मैथेमेटिकल आपरेशन्स) किये जा सकते थे। यह डिजाईन जटिल था। आइकेन ने 1937 में हवार्ड विश्वविद्यालय के प्रो० एच० आइकेन ने बैबेज का सपना साकार किया। आइकेन ने 1944 में एक ऐसे यंत्र का निर्माण किया, जिसमें स्वयंचालित ढंग से अंकगणितीय क्रियाओं को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सकता था।